First Semester

प्रथम पत्र (सैद्धान्तिक) CC01 **कुल अंक – 100**

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई–I

भारत का सांस्कृतिक इतिहासः एक रूपरेखा

(प्रदर्शनकारी कलाओं के वि" ोश संदर्भ में)

नाट्योद्भव के विभिन्न स्त्रोत एवं मत

इकाई–II

भरत के 'नाट्यशास्त्र' के प्रतिपाद्य विषयों का संक्षिप्त परिचय

'नाट्यशास्त्र' से पूर्ववर्ती एवं परवर्ती नाट्याचार्यः संक्षिप्त परिचय

इकाई–III

एकादश नाट्यांग का परिचय

'रस' के विभिन्न अवयव–विभाव, अनुभाव, संचारी, सात्विक तथा स्थायी भावों का परिचय।

रस–निष्पत्ति की प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न सिद्धांत।

पूर्वरंग–विधि

इकाई– IV

भरत की अभिनय संबंधी अवधारणा–आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्विक के साथ चित्राभिनय का विवेचन

भरत निर्दिष्ट वृत्ति, प्रवृत्ति तथा नाट्यधर्म का विवेचन

इकाई – V

दशरूपकः वर्गीकरण एवं विश्लेषण

प्राचीन भारतीय नाट्य–चिंतन का निजीपन और वैशिष्ट्य।

सहायक पुस्तकें:

नाट्यशास्त्रः भरत मुनि –संपादकः बाबूलाल शास्त्री, चौखंभा विद्याभवन, वाराणसी

आचार्य भरतः डॉ0 शिवशरण शर्मा, म0प्र0 हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

भरत और भारतीय नाट्यकलाः डॉ0 सुरेन्द्र नाथ दीक्षित, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

भारत का प्राचीन नाटकः हेनरी डब्ल्यू. वेल्स– मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

भारतीय नाट्य–परम्पराः नेमिचन्द्र जैन

भारतीय नाट्य–सिद्धांतः उद्भव और विकासः डॉ0 रामजी पाण्डेय– राष्ट्रभाषा परिशद्–पटना

भारतीय नाट्य सौन्दर्यः मनोहर काले

संक्षिप्त नाट्यशास्त्रः राधा बल्लभ त्रिपाठी

भरत और उनका नाट्यशास्त्रः ब्रज बल्लभ मिश्र

द्वितीय पत्र (सैद्धान्तिक) CC02

कुल अंक–100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई – I

ऐतिहासिक दृष्टि से संस्कृत नाट्य–साहित्य का परिचय

भास, कालिदास, भूद्रक, विशाखदत्त और भवभूति की नाट्यकला का विवेचन

संस्कृत नाट्य–साहित्य की प्रमुख विशेशताएँ।

प्राचीन भारतीय (संस्कृत) रंगमंच के प्रदर्शन पद्धति का विवेचन।

इकाई – II

प्राचीन यूनानी नाटक एवं रंगमंच से लेकर 1800 ई0 के आसपास तक के यूरोपीय रंगमंच के विकास की दि" ाएँः एक सर्वेक्षण (सोफोक्लीस, शेक्सपियर, मोलियर, इब्सन और बर्नार्ड शॉ के वि" ोश संदर्भ में)

इकाई – III

अरस्तू का त्रासदी विवेचन (विरंचन सिद्धांत के वि" ोश संदर्भ में)

इकाई – IV

कालिदास कृत 'अभिज्ञान शाकुन्तल' नाटक का वि" ोश अध्ययन।

इकाई – V

सोफोक्लीस कृत 'एण्टिगनी' नाटक का वि" ोश अध्ययन।

सहायक पुस्तकः

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत नाटकः ए0बी0 कीथ (अनु0–उदयभानु सिंह)
3. भारत का प्राचीन नाटक–हेनरी डबल्यू. वेल्स
4. संस्कृत और हिंदी नाटक–रचना और रंगकर्म– डॉ0 जय कुमार जलज
5. दूसरे नाट्यशास्त्र की खोज–देवेन्द्र राज अंकुर
6. रंगमंचः शेल्डान चेनी (अनु0 श्री कृष्ण दास)
7. World Drama – Allardyce Nicoll
8. The Greek and the Modern world-Leo Aylen
9. Dramatic History of the world-S. Kolachchams Rao.
10. The Development of the Theatre- A. Nicoll

तृतीय पत्र (सैद्धान्तिक) CCO3

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई – I

रंग–स्थापत्य के संदर्भ में

भरत सम्मत रंगमंडप (प्रेक्षागृह)

इकाई – II

एपिडोरस का रंगमंच

ग्लोब थियेटर

इकाई – III

रंगद्वारी मंच (Proscenium Theatre) की संरचना सहित अन्य मंचीय प्रकारों का अध्ययन।

इकाई – IV

दृश्य–अभिकल्पक के दायित्व एवं कार्य–पद्धति

नाट्य–प्रदर्शन में दृ" य विधान के उद्दे" य, सिद्धांत एवं विभिन्न अवयव

(रंग,रेखा, बनावट आदि) का अध्ययन

इकाई – V

वे" ा–भूशाकार के दायित्व एवं कार्य–पद्धति

वेश–भूशा के उद्देश्य सिद्धांत, एवं विभिन्न अवयवों का अध्ययन

सहायक पुस्तकः

1. नाट्य" ाास्त्र : भरतमुनि (दूसरा अध्याय)
2. रंग स्थापत्य : कुछ टिप्पणियाँः एच0 वी0 शर्मा
3. नटरंग (त्रैमासिक) : (अंक 38–39)
4. दृश्य–विधान : रवि चतुर्वेदी
5. भारतीय वेश–भूशा : मोती चन्द्र
6. Theatre: An Introdution – Oscar G.Brockett.
7. Screen Design, Stage-Lighting, Sound, Costume and Make up – Bellman
8. Stage Scenery: Its construction & Rigging – Gillete
9. The Development of the Theatre: A.Nicoll
10. A Concise History of costume- By Daver
11. Indian Costume: Roshan Alkaji

चतुर्थ पत्र (प्रायोगिक) CC04 **कुल अंक – 100**

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

भरत सम्मत रंग–मंडपों का (नाट टू द स्केल) रेखाचित्र बनाना।

भरत सम्मत विकृष्ट मध्यम रंगमंडप का (टू द स्केल) रेखाचित्र बनाना।

निम्नलिखित नाटकों में से किन्हीं पाँच नाटकों के प्रेक्षागृह प्रदर्शन हेतु दृश्य–बंध का ग्राउन्ड प्लान बनाना एवं उसका विवरण लिखना – पाँच में किसी एक दृश्य बंध का एलिवे" ान ड्राइंग)

1. आशाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश (हिन्दी)
2. आधे–अधूरे – मोहन राके" ा (हिन्दी)
3. अंजो दीदी – उपेन्द्र नाथ अ" क (हिन्दी)
4. कोणार्क – जगदी" ा चन्द्र माथुर (हिन्दी)
5. अंधा युग – धर्मवीर भारती (हिन्दी)
6. व्यक्तिगत – लक्ष्मी नारायण लाल (हिन्दी)
7. कबिरा खड़ा बजार में – भीष्म साहनी (हिन्दी)
8. रस–गंधर्व – मणि मधुकर (हिन्दी)
9. पहिल साँझ – सुधां" ा भोखर चौधरी (मैथिली)
10. बाकी इतिहास – बादल सरकार (बंगला)
11. ताम्रपत्र – देवा" ाीश मजुमदार (बंगला)
12. खामो" ा, अदालत जारी है– विजय तेन्दुलकर (मराठी)
13. विरासत – महेश एल कुंचवार (मराठी)
14. द घोस्ट (प्रेत) – हेनरिक इब्सन (अंग्रेजी)
15. राजा इडिपस – सोफोक्लीस (यूनानी)
16. एन्टिगनी – सोफोक्लीस (यूनानी)

मंचीय वेशभूशा के संदर्भ में –

कपड़े की बुनावट, उस पर उभरी रेखाएँ, उसके रंग, उसकी मोटाई से बदलने वाले प्रभाव का अध्ययन।

रंगों के सामंजस्य वाले 'प्रांग' के रंगचक्र का विभिन्न तरह के सामंजस्य के संदर्भ में पेपर–वर्क।

नाटकों की उपर्युक्त सूची में आये किन्हीं पाँच चरित्र के वे" ा–भूशा की ड्राइंग एवं उनका विवरण।

छात्रों को इस प्रायोगिक पत्र से संबंधित कार्यों की स्वतंत्र फाइल जमा करनी होगी जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा होगी।

Second Semester

पंचम पत्र (सैद्धान्तिक) **CC05**

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई – I

आधुनिक भारतीय रंगमंच के विकास का अध्ययन

इकाई – II

हिन्दी रंगमंच के विकास एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन (दे" ाी–विदे" ाी, पारम्परिक एवं अन्य आधुनिक रंगमंच के प्रभावों की विवेचना सहित)।

पारसी रंगमंच, इप्टा, पृथ्वी थियटर का वि" ोश अध्ययन

इकाई – III

संवेदना, मूल्य–बोध, नाट्य–सौन्दर्य एवं f" ाल्प के संदर्भ में निम्नलिखित नाटकों का अध्ययन।

1. अंधेर नगरी–भारतेन्दु हरि" चन्द्र
2. कोणार्क– जगदी" ा चन्द्र माथुर
3. अंधा युग– धर्मवीर भारती

इकाई – IV

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में बंगला रंगमंच का विकासात्मक अध्ययन

(रवीन्द्रनाथ ठाकुर, बादल सरकार, भांभु मिश्र एवं उत्पल दत्त के योगदान के वि" ोश संदर्भ में)

इकाई – V

ऐतिहासिक परिप्रक्ष्य में मराठी रंगमंच का विकासात्मक अध्ययन

(खादिलकर, विजय तेन्दुलकर, सती" ा आलेकर एवं महे" ा एल. कुंचवार के योगदान के वि" ोश संदर्भ में।

सहायक पुस्तकः

1. हमारी नाट्य परम्परा – नेमिचन्द्र जैन
2. अंधेर नगरी : संवेदना और शिल्प : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
3. जगदी" ा चन्द्र माथुर – गोविन्द चातक
4. अंधायुग एवं भारती के अन्य नाट्य प्रयोग– डॉ0 जयदेव तनेजा
5. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास– डॉ0 द" ारथ ओझा
6. The Indian stage- Hemendra Nath Das Gupta
7. Indian Drama (Edited) : Publication Division, New Delhi

' ाश्ठ पत्र (सैद्धान्तिक) CC06

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई – I

रंगमंच के विभिन्न सिद्धांतों का अध्ययन

यथार्थवाद, विसंगतिवाद, महाकाव्यात्मक रंगमंच

इकाई – **II**

पूअर थिएटर एवं इनवाइरनमेंटल थिएटर, थर्ड थिएटर

इकाई – III

निम्नलिखित रंग–व्यक्तित्वों के नाट्य सिद्धांतों का अध्ययन

एडवर्ड जॉर्डन क्रेग, माइकेल चेखव, मेयर होल्ड

इकाई – IV

अन्तोनिन अर्तो

अडोल्फ, अप्पिया, जेआमि

इकाई – V

भारतीय नाट्य–चिन्तन के प्रमुख चिन्तक (भारतेन्दु, जगदी" ा चन्द्र माथुर, मोहन राके" ा, नेमिचन्द्र जैन के वि" ोश संदर्भ में।

सहायक पुस्तकें :

1. रंगमंच के सिद्धांत : सं0 महेश आनन्दः देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रका" ान, दिल्ली
2. अभिनेता की तैयारीः स्तानिस्लावस्की (अनु0 वि" वनाथ मिश्र)
3. Experimental Theatre (from Stanislavsky to peter brook- James Roose-Evans
4. Brecht on Theatre – Ed. J. Willet
5. Theatre and its Double- Antonin Artanad
6. Towards a poor Theatre – Jerzy Grotowsky
7. Empty space : Peter Brook
8. Over under and around: Rechard schechnor (Seagull Books)
9. रंगदर्शनः नेमिचन्द्र जैन
10. रंगमंचः कला और दृश्टिः गोविन्द चातक

सप्तम पत्र

(सैद्धान्तिक) CC07

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई .1अभिनय के विभिन्न सिद्धांत

भौलीबद्ध अभिनय (संस्कृत एवं पारम्परिक रंगमंच)

इकाई II

पारसी रंगमंच की अभिनय पद्धति

इकाई III

स्तानिस्लावस्की की अभिनय पद्धति (Method Acting)

इकाई IV

बर्तोल्त ब्रे" ट का अभिनय सिद्धांत

इकाई V

ग्रोतोवस्की एवं पीटर ब्रूक का अभिनय सिद्धांत

सहायक पुस्तकें:

1- पारसी हिन्दी रंगमंच– डॉ0 लक्ष्मी नारायण लाल
2- अभिनय चिन्तन – दिने" ा खन्ना
3- Experimental Theatre from Stanislavsky to Peter Brook- James Ewan Roose.
4- Brecht on Theatre – Edited by J. Willet
5- Building a Character (भूमिका की संरचना) - Slanislavsky.
6. Performance Traditions in India- Dr. Suresh Awasthi
7. An Actor Prepares (अभिनेता की तैयारी) – Stanislavsky
8- Parsi Theatre: its origin & development – Somnath Gupt.

अश्ठम पत्र

(प्रायोगिक)CCO8

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

स्वर–तंत्र और उनकी कार्य–पद्धति का अध्ययन।

स्वर–प्रणाली का विभिन्न तरह से उपयोग करते हुए विभिन्न पक्षियों, जानवरों, म" ीनों की बोलियों–ध्वनियों की नकल करना।

बोली की खराबियों से परिचित होना और उन्हें दूर करने के उपाय जानना।

विभिन्न प्रकार के भाब्दों और छोटे वाक्यों का विभिन्न अर्थों और भावों के साथ उच्चारण का अभ्यास करना।

संस्कृत श्लोकों और मंत्रों का शुद्ध पाठ करना।

विभिन्न तरह से रोने, हँसने, गुर्राने, खाँसने और चिल्लाने का अभ्यास करना।

वाचिक प्रि" ाक्षण क्रम में:

(क) एक्सेंट (Accent), स्ट्रेस (Stress), इम्फैसिस (Emphasis), पॉज (Pause), रिद्म (Rythm), पिच (Pitch) और वाल्यूम (Volume) में बदलाव का अभ्यास करना।

(ख) नेरे" ान, कमेंट्री, छोटी और बड़ी काल्पनिक सभा को संबोधित करने उत्तेजक भाशण, समाचार पढ़ने, बोलने के साथ हँसने, बोलने के साथ रोने–हलकाने, तुतलाने का अभ्यास करना।

किसी एक ही भाब्द वाक्यां" ा या विभिन्न भाब्दों–वाक्यां" ाों के माध्यम से 'नाट्य" ाास्त्र' में वर्णित रसों को उदाह्रत करना।

आंगिक अभिनय सहित भाव–प्रद" ान।

भारीर को गति" ाील करने वाले व्यायाम सीखना।

भवास नियंत्रण एवं हमिंग से संबंधित व्यायाम सीखना।

विभिन्न तरह के थियेटर गेम्स, जैसे–ट्रस्ट गेम, आई कन्टेक्ट, मर्डरर, मिरर व्यू आदि का अभ्यास करना।

संस्कृत, अंग्रेजी और सांगीतिक नाटकों के अं" ाों का अभ्यास करना।

किसी नाटक के चुने हुए प्रसंगों का समूह में या अकेले अभिनय प्रस्तुत करना (मूकाभिनय एवं वाचिक दोनों)

किसी नाटक के चुने हुए एक चरित्र का एकल अभिनय प्रस्तुत करना

संलापपूर्ण अभिनय–" ौली में व्यावहारिक परिचय।

सहायक पुस्तकें:

1. बोलने की कला : डॉ0 भानु" ांकर मेहता।
2. नाट्य" ाास्त्र : भरत मुनि (वाचिक और आंगिक अभिनय वाले अध्याय)
3. Speech training & Dramatic Art: John Miles-Brown.
4. Actors at work-Robert Benedetti.
5. Building a Character- C. Stani avsky.
6. Theatre Games- Clive Barker.
7. Training an Actor- Sonia Moore.
8. The Student Actor's Hand book: Theatre Games and Exercise-Dezseran, Louis John.
9. Movement for the Actor – (Ed.) Rubia Lucille.

नवम् पत्र (प्रायोगिक)

CCO9

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

कार्य" ाला आधारित एक नाट्य प्रस्तुति में अभिनेता/ निर्दे" ाक/मंच व्यवस्थापक/रूप सज्जाकार/संगीतकार/वे" ा–भूशाकार/दृ" य–बंध योजनाकार के रूप में भागीदारी

अपने–अपने कार्य–दायित्व के अनुसार किए गए कार्यों के संबंध में परियोजना प्रतिवेदन लिखित रूप में प्रस्तुत करना।

Third Semester

दशम् पत्र (सैद्धांतिक)

CC10

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई – I

भारतेतर अन्य एशियाई देशों मुख्यतः चीन, जापान के पारम्परिक नाट्य रूपों का अध्ययन (काबुकी, नोह, चीनी ओपेरा के विशेष संदर्भ में)

इकाई – II

प्रसार क्षेत्र और प्रदर्शन रूढ़ियों के संदर्भ में निम्नलिखित नाट्य रूपों की विशिष्टताओं का अध्ययन –

जात्रा, तमाशा, भवई

इकाई – III

नौटंकी, विदेशिया, कीर्तनिया – विदापत, अंकिया नाट

इकाई – IV

यक्षगान, तेरकुत्तु, कोटियट्टम

इकाई – V

निम्नलिखित नाटकों का विशेष अध्ययनः

धूर्त्तसमागम (ज्योतिरीश्वर ठाकुर)

गोरक्ष – विजय (विद्यापति)

सहायक पुस्तकें:

1. परम्परागत लोक नाट्य : जगदीश चन्द्र माथुर
2. पारम्परिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
3. लोक साहित्य संदर्भ : डॉ0 श्याम परमार
4. लोकरंग : सं0 – डॉ0 महेन्द्र भनावत्
5. हिंदी रंगमंच की लोकधारा: जावेद अख्तर खाँ
6. मैथिली नाटक: अधुनातन संदर्भ– गोविन्द झा
7. Lesser known forms of performing Arts in India – Ed. Durga Das Mukhopadhyay.
8. Asian Theatre: A. C. Scott.

एकादशा पत्र (सैद्धान्तिक)

CC11

कुल अंक –100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

विशय वस्तु एवं नाट्य ि”ाल्प के सन्र्दभ में निम्नलिखित नाटकों का वि”ोश अध्ययन

इन्दरसभा – अमानत
जरूपा ओडन – भाान्ता गाँधी
धूर्त्त समागम – ज्योतिरी”वर
द”ारथ नन्दन – जगदी”ा चन्द्र माथुर

सहायक पुस्तकें:

1. जगदी”ा चन्द्र माथुर – परम्परा”ाील नाट्यः
2. कपिला वात्स्यायन – पारमरिक भारतीय रंगमंच
3. डाँ0 भयाम परमार – लोक साहित्य संदर्भ
4. सं0– डाँ महेन्द्र भनावत् – लोकरंग
5. जावेद अख्तर खॉ – हिंदी रंगमंच की लोकधारा
6. गोविन्द्र झाा – मैथिली नाटक : अधुनातन संदर्भ
8. **Ed. Durga Das Mukhopadhyay – Lesser known forms of Performing Arts in India**
9. **A.C. Scott – Asian Theatre**

द्वाद”ा पत्र (सैद्धान्तिक)

CC12

कुल अंक –100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

इकाई – I

मंचीय प्रका” ा – योजना का इतिहास

मंचीय प्रका” ा – योजना के विभिन्न रूप

प्रका" ा के रंगों के मिश्रण के विभिन्न सिद्धांत

इकाई – II

नाट्य प्रदर्शन में रूप सज्जा की आव" यकता

दैनिक रूप – सज्जा और मंचीय रूप – सज्जा में अंतर

इकाई – III

साधारण मंचीय रूप सज्जा और चरित्रगत रूप सज्जा में अंतर

रूप – सज्जाकार के लिए काम के दौरान ध्यान रखने योग्य बातें।

इकाई – IV

नाट्य प्रस्तुति में संगीत–योजना का महत्व

निम्नलिखित का सैद्धान्तिक परिचय –

स्वर संज्ञाएँ – भाुद्ध एवं विकृत स्वर, थाट एवं राग का संक्षिप्त परिचय।

लय एवं ताल– मात्रा, सम, खाली, ताली, विभाग का परिचय।

तीन ताल, कहरवा, दादरा, रूपक, झपताल का सामान्य ज्ञान

इकाई – V

नाटक की प्रस्तुति में ध्वनि–प्रभाव का महत्व और स्थितियाँ।

सहायक पुस्तकें :

1. रंगकर्म : वीरेन्द्र नारायण
2. नाट्य प्रस्तुतिः एक परिचय : रमे" ा राजहंस
3. संगीत मीमांसा – पं0 जगदी" ा नारायण पाठक
4. संगीत भाास्त्र प्रवीण– पं0 जगदी" ा नारायण पाठक
5. Guide to stage lighting: G.N. Das gupta
6. Creative Theatrical Make up: Donna J Arnink
7. Create your own faces: D. Young
8. Theatre back – stage from A to Z: Warren C. Lounsbury

तेरहवाँ पत्र (प्रायोगिक)

CC13

कुल अंक – 100

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

प्रकाश की प्रकृति का अध्ययन

मंचीय प्रका” ा के आधुनिक उपकरणों से परिचय।

प्रका” ा उपकरणों की कार्य–पद्धति की अपेक्षित जानकारी प्राप्त करना।

प्रका” ा के रंगों से वे” ाभूशा और दृ” य–बंध के रंगों का सामंजस्य बैठाने की जानकारी लेना।

चतुर्थ पत्र CC04 (Ist semester) के पाठ्यक्रम में उल्लिखित नाटकों में से किन्हीं पाँच नाटकों का लाइटिंग ग्राउन्ड प्लान (सेट–स्केच, लाइट ले–आउट प्लान, एरिया ग्राउन्ड प्लान सहित) बनाना और उसका विवरण लिखना।

CC12 के संगीत वाले विशयों का व्यावहारिक प्रि” ाक्षण प्राप्त करना।

दादरा – कहरवा ताल पर आधारित मंचीय गति–विधान का अभ्यास करना।

(प्रत्येक छात्र को अपनी प्रायोगिक कक्षाओं के कार्यों से संबंधित एक फाइल भी प्रस्तुत करनी होगी।)

सहायक पुस्तकें:

1. रंगकर्म : वीरेन्द्र नारायण
2. नाट्य प्रस्तुतिः एक परिचय : रमे” ा राजहंस
3. संगीत मीमांसा – पं0 जगदी” ा नारायण पाठक
4. संगीत भाास्त्र प्रवीण– पं0 जगदी” ा नारायण पाठक
5. Guide to stage lighting: G.N. Das gupta
6. Creative Theatrical Make up: Donna J Arnink
7. Create your own faces: D. Young
8. Theatre back – stage from A to Z: Warren C. Lounsbury

चौदहवाँपत्र (प्रायोगिक)

CC14 **कुल अंक– 100**

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

रूप–सज्जा की सामग्रियों से परिचय प्राप्तकर उनके उपयोग की विधि जानना।

पुरूश और महिला की सामान्य रूप–सज्जा की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करना।

चरित्रगंत रूप सज्जा के लिए

1. रेखाएँ (रिंकिंल्स)
2. छाया (" ोड्स) तथा
3. क्रेप के काम की पर्याप्त जानकारी प्राप्त करना।
   (विशेशकर अमानवीय, भयानक, चिड़चिड़े, वनमानुश और विदूशक चरित्र के संदर्भ में।)
4. अपनी रूप सज्जा करने की सिद्धहस्तता हासिल करना।
5. रूप–सज्जा में 'नोजपुटी' का इस्तेमाल जानना
6. 'मास्क' बनाने की जानकारी प्राप्त करना

(प्रत्येक छात्र को अपनी प्रायोगिक कक्षाओं के कार्यों से संबंधित एक फाइल की प्रस्तुत करनी होगी।)

सहायक पुस्तकें:

1. रंगकर्म : वीरेन्द्र नारायण
2. नाट्य प्रस्तुतिः एक परिचय : रमे" । राजहंस
3. Creative Theatrical Make up: Donna J Arnink
4. Create your own faces: D. Young
5. Theatre back – stage from A to Z: Warren C. Lounsbury

Fourth Semester

पत्र EC01 **कुल अंक – 100**

मुख्य परीक्षा–70

आंतरिक परीक्षा–30

किसी एक अथवा दो पारमरिक भौली में नाट्य लेखन

अथवा किसी एक अथवा दो पारमरिक भौली के नाट्य का निर्दे"ान

अथवा किसी एक या दो आधुनिक नाटक (नुक्कड नाटक सहित या मंचन)

पत्र EC02 **कुल अंक – 100**

आंतरिकपरीक्षा–30

मुख्य परीक्षा–70

लघु भाोध प्रबधं एवं मौखिकी

Projeet work

विभागाध्यक्ष की सहमति से छात्र विशय चयन कर लधु" ाोध प्रबंध अथवा एक पूर्णकालिक (1– 1/2 घंटे) का मौलिक या रूपान्तरित नाट्यालेख अथवा रंगमंच विषयक किसी पुस्तक/नाट्य पर एक आलोचनात्मक लघु शोध प्रबंध तीन टंकित प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा

Paper-DSE

History of Music **CIA – 30 Marks**

(Medieval and Modern Peroid) **ESE – 70 Marks**

UNIT - I

History of Music in Muslim Period.,Contribution of Sadarang in Kheyal Gayan shaily. Development of Karnatik Music with reference to Swara Mela Kalanidhi, Raga Tatva Vibodh and Chatturdandi Prakashika.

UNIT - II

The Study of the History of Music of Modern period.

The contribution of Pt. V. D. Palushkar and Pt. V. N. Bhatkhande in the development of Modern Music

UNIT - III

.Brief History of Film.

Contribution of Classical Film Music Director and Classical playback singer./Instrumentaalists.

UNIT - IV

The lives and achievement of the following Musicians. Pt. Omkarnath Thakur, Pt. Ramchtur Mallik, Pt. Ramashraya Jha, Mangan, Pt.Vishnu Digamber Palushkar & Pt. V. N. Bhatkhande.

UNIT - V

Detail knowledge of Instruments of Modern period.

Importance of Music in Life,Music and Psycology ,Music and Therapy,Music and Philosophy.